दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 196

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक क्रांति की नई शुरुआत
बीईएमएल के हैवी अर्थ मूविंग इक्विपमेंट संयंत्र को मंजूरी

❑ स्थानीय रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य को औद्योगिक और आर्थिक विकास के नए शिखर पर ले जाने की दिशा में आज एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में महानदी मंत्रालय भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) को राज्य में हैवी अर्थ मूविंग इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र के स्थापना की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। इस संयंत्र के लिए बिलासपुर, चांपा के समीप नेशनल हाईवे से लगी 100 एकड़ भूमि को टोकन दर पर आबंटित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका उद्देश्य स्थानीय रोजगार सृजन और सूक्ष्म-लघु उद्योगों को प्रोत्साहन देना है।

छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30, जो एक नवंबर 2024 से लागू हुई, ने राज्य को निवेशकों के लिए अनुकुल बना दिया है। इस नीति का मूल मंत्र न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन है, जिसके तहत उद्योगों को स्थापित करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, ऑनलाइन आवेदन, और त्वरित प्रोसेसिंग जैसी सुविधाओं ने उद्यमियों के लिए छत्तीसगढ़ में कारोबारी माहौल को आसान किया है। नीति में फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है।

इस नीति के तहत उद्योगों को 30-50 प्रतिशत सब्सिडी, 5 से 12 वर्ष तक की कर छूट और ब्याज अनुदान जैसे आकर्षक प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा, 1000 से अधिक रोजगार प्रदान करने वाली इकाइयों के लिए बी-स्पोक पॉलिसी और प्रति व्यक्ति 15,000 रुपये तक का प्रशिक्षण अनुदान भी शामिल है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 5 लाख नए रोजगार सृजित करना है, जो स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बीईएमएल के हैवी अर्थ मूविंग इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना से न केवल छत्तीसगढ़ में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इस संयंत्र के लिए 100 एकड़ भूमि को टोकन दर पर आवंटित करने का निर्णय निवेशकों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कदम सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगा। इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि लाएगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए कई सुधार किए हैं। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से उद्योगों को सभी स्वीकृतियां एक ही मंच पर प्रदान की जा रही हैं, जिससे समय और लागत की बचत हो रही है। ऑनलाइन सुविधाओं के विस्तार ने भी उद्योगों की स्थापना को गति दी है। उद्यमी अब घर बैठे विभिन्न स्वीकृतियों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने निवेश को आकर्षित करने के लिए सार्थक पहल की है। दिल्ली, मुंबई, और बेंगलुरु में आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में देश-विदेश के उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप 4 लाख 40 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुंबई समिट में 6,000 करोड़ रुपये, दिल्ली में 15,184 करोड़ रुपये, और बेंगलुरु में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की सहमति ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता को रेखांकित किया है।

प्रोजेक्ट टूडे सर्वे के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में छत्तीसगढ़ में 218 नई परियोजनाओं में 1,63,749 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो देश के कुल निवेश का 3.71 प्रतिशत है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को देश के टॉप टेन निवेश वाले राज्यों में शामिल कर दिया है। मुख्यमंत्री साय ने उद्योगपतियों को आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल नीतियों के साथ हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति न केवल उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देती है, बल्कि रोजगार सृजन और आर्थिक समृद्धि पर भी जोर देती है। हमारा लक्ष्य अमृतकाल-छत्तीसगढ़ विजन 2047 नवा अंजोर के तहत विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि राज्य अब नक्सल प्रभावित छवि से बाहर निकलकर एक औद्योगिक और तकनीकी हब के रूप में उभर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय

फ्लाइट में लगी 21 करोड़ की लॉटरी, एयर होस्टेस ने उड़ते विमान में कर डाली ये हरकत

न्यूयॉर्क । एक एयर होस्टेस के आसमान में उस समय पंख लग गए जब उड़ान के दौरान उसकी किस्मत चमकी और वो उड़ रहे विमान में करोड़पती बन गई। उसके लिए खुशी का ठिकाना नहीं था, जिसके बाद उसने हवा में ही अपना रिजाइन दे दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयर होस्टेस ने कैसीनो गेम में 500 रुपये लगाकर 21 करोड़ की रकम जीत ली, कैसिनो एक्सपोज्ड की रिपोर्ट के अनुसार, कैसीनो डेज प्लेटफॉर्म एक लिमिटेड टाइम ऑफर चला रहा था, जिसमें इस महिला ने एक लाख रुपये की राशि जमा 1 लाख तक की जमा राशि पर 150त्न बोनस मिल रहा था। एयर होस्टेस बताती है कि इस गेम को खेलने के लिए पहले मैंने एक लाख लगाए उसे में दस और फिर 20 और देखते ही देखते मैंने अंत में 21,83,02,672 खाते में आ गए। इस रकम को जीतने के बाद मैंने कैसीनो डेज की सपोर्ट टीम से संपर्क किया और उन्होंने मुझे कहा कि हां ये खबर सच है और आप अब एक करोड़पति बन चुकी हैं। इसके बाद महिला ने फ्लाइट का इंटरकॉम उठाया और एक अप्रत्याशित घोषणा कर डाली, जिसमें उसने कहा कि देवियों और सज्जनों, यह आपकी एयर होस्टेस बोल रही है और यह मेरी आखिरी फ्लाइट है। ये बात सुनते ही लोग घबरा गए लेकिन जब महिला ने अपनी कहानी बताई तो केबिन में मौजूद लोग चीयर्स करने लगे।

अमेरिका : भारतीय मूल का डॉक्टर नियंत्रित दवा के वितरण की साजिश में दोषी करार

न्यूयॉर्क । अमेरिका में भारतीय मूल के डॉक्टर नील आनंद को 2.3 मिलियन डॉलर की साजिश के तहत नियंत्रित दवाओं के अवैध वितरण और हेल्थकेयर फ्रॉड में भाग लेने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। यह जनकारी अमेरिकी न्याय विभाग ने बुधवार को दी। 48 वर्षीय नील आनंद को मंगलवार को पेंसिल्वेनिया की एक संघीय अदालत ने दोषी करार दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आनंद ने ऑक्सीकोडोन नामक दर्द निवारक और अत्यधिक नशे की लत लगाने वाली नियंत्रित दवा के लिए प्री-साइन्ड प्रिस्क्रिप्शन (पूर्व हस्ताक्षरित नुस्खा) जारी किए। इन नुस्खों का उपयोग उसके इंटर्न्स ने किया, केवल नौ मरीजों को ट्रीट करने में 20,850 टैबलेट का उपयोग किया गया। न्याय विभाग ने कहा, ऑक्सीकोडोन एक ओपिओइड दर्द निवारक है जिसका उपयोग नशे के लिए भी किया जाता है और अमेरिका में इसकी लत महामारी का रूप लेती जा रही है। आरोप में, आनंद के मेडिकली अनावश्यक प्रिस्क्रिप्शन मेडिकेशन्स को गुडी बैग्स (लुभावने तौर पर) का नाम दिया गया है। ये दवाएं उन मरीजों को दी जाती थीं जो नियंत्रित दवाएं प्राप्त करना चाहते थे। ये दवाएं उन फार्मेसियों के माध्यम से दी जाती थीं जो आनंद के स्वामित्व में थीं। अभियोजन पक्ष ने कहा, आनंद ने इन अनावश्यक दवाओं के लिए स्वास्थ्य बीमा कंपनियों और सरकारी बीमा योजनाओं से भुगतान लिया, जिनकी कुल राशि 2.3 मिलियन डॉलर थी। जब आनंद को जांच की जानकारी हुई, तो उसने धोखाधड़ी से प्राप्त करीब 1.2 मिलियन डॉलर की राशि को अपने पिता के नाम और नाबालिग बेटी के खाते में ट्रांसफर कर दिया ताकि इस राशि को छुपाया जा सके। आनंद को अगस्त में सजा सुनाई जाएगी। उन्हें 2019 में चार अन्य लोगों के साथ आरोपित किया गया था। इनमें से तीन के पास विदेशी विश्वविद्यालयों की मेडिकल डिग्री थी, लेकिन उनके पास अमेरिका में चिकित्सा अभ्यास का लाइसेंस नहीं था।

पाकिस्तान में ओलावृष्टि का कहर सैकड़ों गाड़ियों को नुक़सान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और अफ़ग़ानिस्तान सीमा से सटे प्रांत ख़ैबर पख़्तूनख़्वा के कई हिस्से बुधवार को अचानक आई तेज़ ओलावृष्टि से प्रभावित हो गए। इस भारी ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया और सैकड़ों कारों, घरों और दुकानों के शीशे टूट गए। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, इस्लामाबाद के स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने जीवन में इतने बड़े और भारी ओले पहले कभी नहीं देखे। ख़ैबर पख़्तूनख़्वा के लंडी कोतल क्षेत्र में ओलों के साथ भारी बारिश हुई, जिससे इलाके में अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए। बाढ़ के पानी में कई वाहन बहने की घटनाएं भी सामने आईं। इस पूरी तबाही के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रही हैं, जिनमें टूटी हुई कारों की खिड़कियाँ, घरों की क्षतिग्रस्त छतें और जलभराव से जूझते लोग देखे जा सकते हैं।

कार पेड़ से टकराकर खेत में पलटी, दो दोस्तों की मौत

कोटा । आरएनएस

जिले के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा रात करीब 11 बजे हुआ, जब कार पेड़ से टकराकर खेत में पलट गई। मृतकों की पहचान गौरव खींची (25) और राहुल मीणा (25) के रूप में हुई है। दोनों घनिष्ठ दोस्त थे और एक ही कॉलोनी दुर्गा नगर पूनम कॉलोनी में रहते थे।

पुलिस के अनुसार, गौरव हाल ही में कनाडा से एग्रीकल्चर की पढ़ाई पूरी कर लौटा था, जबकि राहुल दुर्गा नगर में लाइब्रेरी चलाता था। राहुल के पिता सेना में हैं और गौरव के पिता रेलवे में कार्यरत हैं। बुधवार रात करीब 10 बजे राहुल ने लाइब्रेरी बंद की और दोनों तुलसी रिसॉर्ट में डिनर के लिए निकले। लौटते समय 120 फीट रोड पर उनकी कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई और खेत में पलट गई।

हादसे के बाद दोनों युवक कार में ही फंसे रहे। तभी वहां से गुजर रही कुछ महिलाओं की नजर पलटी हुई कार पर पड़ी। उन्होंने राहगीरों को रुकवाया। संयोग से गौरव का एक रिश्तेदार भी उसी रास्ते से गुजर रहा था। भीड़ देखकर वह रुका और गौरव को पहचान कर परिवार को सूचना दी।

दोनों को कार से बाहर निकाला गया और तुरंत एमबीएस हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों को गंभीर अंदरूनी चोटें आई थीं। फिलहाल शवों को एमबीएस की मोर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवार वालों के अनुसार, गौरव और राहुल अपने-अपने घरों के इकलौते बेटे थे। दोनों की अचानक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कॉलोनी और जान-पहचान वालों में शोक की लहर है।

प्रेमी संग मिलकर खुद ही उजाड़ दिया अपना सुहाग... पति की लाश को 10 बार सांप से डंसवाया

मेरठ । आरएनएस

यहां एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसे जान सब हैरान हैं। दरअसल एक पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर सोते वक्त पति का गला घोंटा, फिर शव के नीचे सांप को दबा दिया। सांप ने युवक को 10 बार डसा। वारदात के बाद बॉयफ्रेंड को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। सुबह जब घरवाले उठे तो देखा कि युवक की मौत हो चुकी थी। उसके हाथ के नीचे एक जिंदा सांप दबा हुआ था। पूरा मामला मेरठ के बहसूमा थाना क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव का है। यहां रहने वाला अमित मजदूर था। आठ साल पहले उसकी शादी रविता नाम की महिला से हुई थी। तीन छोटे-छोटे बच्चे भी थे। सबकुछ ठीक लग रहा था, लेकिन घर के अंदर कुछ और ही चल रहा था।

रविता के गांव के ही एक युवक अमरदीप जो अमित का दोस्त भी था उससे नजदीकियां बढ़ गई थीं। धीरे-धीरे ये रिश्ता प्यार में बदल गया। जब अमित को इसकी भनक लगी, तो उसने विरोध किया. बात-बात पर झगड़े होने लगे, लेकिन रविता ने न तो रिश्ता खत्म किया, न झगड़े बल्कि पति को ही खत्म करवा दिया। पुलिस के मुताबिक, अमित की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। इसमें पता चला कि अमित की मौत सांप के डसने से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुई है। इसके बाद शक के आधार पर पुलिस ने पहले अमित की पत्नी रविता को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने बॉयफ्रेंड का नाम बताया। शुरुआत में दोनों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन जब सख्ती से पूछताछ हुई तो दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया।

तीन बच्चों की हत्या कर मां-बाप ने की आत्महत्या की कोशिश, फलोदी में दिल दहला देने वाली वारदात

जोधपुर । आरएनएस

संभाग के फलोदी क्षेत्र के कालू पाबूजी गांव में सोमवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक दंपति ने पहले अपने तीन बच्चों को ज़हर देकर बेहोश किया, फिर धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी। इसके बाद पति-पत्नी ने खुदकुशी की भी कोशिश की, लेकिन समय रहते बचा लिया गया। वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 12 वर्षीय हरीश, 9 वर्षीय किरण और 2 साल की बच्ची नत्थू के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्चों को पहले कोल्ड ड्रिंक पिलाई गई, फिर खाने में कीटनाशक मिला दिया गया। इसके बाद धारदार हथियार से बच्चों की गर्दन और हाथ की नसें काट दी गईं।

पुलिस पूछताछ में मां जतनो देवी ने बताया कि पति शिवलाल के साथ उसका अक्सर पैसों को लेकर विवाद होता था। घटना से कुछ दिन पहले ही शिवलाल ने अपनी सबसे छोटी बेटी नत्थू को ननिहाल से लाकर घर लाया था। इसके बाद ही उसने पूरे परिवार को खत्म करने की योजना बनाई।

वारदात के बाद दोनों पति-पत्नी ने भी आत्महत्या का प्रयास किया, जिन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पड़ोस में रहने वाली गुड्डी नाम की महिला ने दी, जब स्कूल की वैन आने पर भी बच्चे घर से बाहर नहीं निकले।

पुलिस को मौके से एक ब्लेड, चाकू और कीटनाशक की खाली शीशी बरामद हुई है। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। मामले की जांच जारी है।

गांव में इस घटना के बाद शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार में किसी बड़े विवाद की जानकारी नहीं थी, जिससे यह घटना और भी चौंकाने वाली बन गई है।

भीलवाड़ा में वैन से टकराई कार, हादसे में जिंदा जलने से चालक की मौत

भीलवाड़ा । आरएनएस

राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार को हुए दर्दनाक सडक़ हादसे में एक व्यक्ति की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा कोटा-चित्तौड़ नेशनल हाईवे-27 पर स्थित चित्तोडिया गांव के पास हुआ, जहां फुलजी की खेड़ी कट के पास एक कार और वैन में जबरदस्त टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन सीधे सडक़ से नीचे खाई में जा गिरी। 15 फीट गहरी खाई में गिरने के बाद वैन में आग लग गई।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने भी आग पर काबू पाने की कोशिश की। लेकिन, उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वैन जलकर खाक हो चुकी थी।

वाहन से बाहर नहीं निकलने के कारण वैन का चालक अंदर ही बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के दौरान अफरा-तफरी का माहौल हो गया। कुछ देर तक सडक़ पर जाम की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर यातायात को फिर से बहाल कराया।

सूचना मिलते ही मांडलगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। वैन के चालक के अस्थि शव को बाहर निकाला गया और उसे मांडलगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। फिलहाल, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है, पुलिस उसकी पहचान करने की कोशिशों में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि जिस कार से वैन भिड़ी, उसमें सवार परिवार गुजरात के राजकोट का रहने वाला था। कार हरि भाई चला रहा था। हादसे में वह घायल हो गए और उनकी पत्नी पूनम, दो बेटियां और बेटे को मामूली चोट आई।

सभी को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हरि भाई को प्राथमिक उपचार के बाद चित्तौडग़ढ़ रेफर कर दिया गया। हरि भाई परिवार संग राजकोट (गुजरात) से झालावाड़ जा रहे थे।

अगले आदेश तक वक्फ में कोई नई नियुक्ति नहीं, सरकार को जवाब के लिए दी 7 दिन की मोहलत

नई दिल्ली (आरएनएस)। वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए 7 दिन का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि वक्फ संपत्ति में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी वक्फ की स्थिति जैसी है वैसी ही रहेगी। वक्फ कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं कोर्ट में दायर की गई है। इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दलील दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल वक्फ बोर्ड और काउंसिल में कोई नियुक्ति न हो। इसपर तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अभी नियुक्ति नहीं करने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। सरकार के जवाब तक यथास्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही अगले आदेश तक नई नियुक्तियां भी नहीं होंगी। सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि सरकार 7 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करे और उस पर प्रतिउत्तर अगले 5 दिनों के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए।

पटना-सारण के बीच बनेगा देश का सबसे बड़ा क्लोवर लीफ जंक्शन : रुडी

❑ सारण की सडक़ों के भविष्य को लेकर नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक

❑ सांसद राजीव प्रताप रूडी की पहल पर मंत्रालय ने लिया कई महत्त्वपूर्ण निर्णय

❑ जेपी सेतु के समानांतर केबल ब्रिज पर देश का सबसे बड़ा क्लोवर लीफ जंक्शन

❑ दिघवारा में ट्रम्पेट, स्पर एवं उत्तरी रिंग रोड पर विमर्श

❑ रेवा घाट पुल का डीपीआर समर्पित, कार्य शीघ्र शुरू

नई दिल्ली । आरएनएस

बुधवार को नई दिल्ली स्थित परिवहन भवन में सारण सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी की अध्यक्षता में सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के साथ सारण जिले की सडक़ परियोजनाओं को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर, संयुक्त सचिव विनय कुमार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य अनिल चौधरी, पटना के क्षेत्रीय अधिकारी एन. एल. येयोत्कर, मुख्य अभियंता अजमेर सिंह सहित विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सारण को सडक़ नेटवर्क के लिहाज़ से उत्तर बिहार का प्रवेश द्वार मानते हुए अनेक महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और कई बड़े निर्णय लिए गए। इनमें विशेष रूप से जेपी सेतु के समानांतर बन रहे सिक्स लेन केबल ब्रिज पर यूरोपीय तकनीक पर आधारित देश के सबसे बड़े क्लोवर लीफ जंक्शन का निर्माण प्रस्तावित है, जो क्षेत्र में यातायात प्रबंधन में क्रांतिकारी सुधार लाएगा।

सांसद राजीव प्रताप रूडी ने बताया कि चूंकि उत्तर बिहार में प्रवेश का मुख्य मार्ग सारण जिले से होकर गुजरता है और प्रस्तावित व निर्माणाधीन संरचनाएं भविष्य में ट्रैफिक जाम की स्थिति को सीधे प्रभावित करेंगी, इसलिए भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन परियोजनाओं में समुचित प्रावधान सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने मंत्रालय से यह आग्रह किया कि परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन के प्रत्येक चरण में परामर्श एवं समन्वय बना रहे ताकि कोई भी आवश्यक पहलू छूटने न पाए।